करेंट अफेयर्स

बिहार

(संग्रह)

अप्रैल 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- सेपक टकरा विश्व कप 2025 3
- जेवियर विश्वविद्यालय 4
- बिहार में विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास 5
- कोसी मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना 6
- बोधगया मंदिर 9
- बिहार में खेलो इंडिया गेम्स 9
- प्राकृतिक घटना के रूप में आकाशीय बिजली 11
- महावीर जयंती 12
- गंगा किनारे अवैध निर्माण 12
- वंदे मेट्रो 14
- वीर कुंवर सिंह विजय दिवस 15
- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 16
- बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री पद्म भूषण से सम्मानित 17

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार

सेपक टकरा विश्व कप 2025

चर्चा में क्यों ?

बिहार के पटना में आयोजित **सेपक टकरा विश्व कप 2025** में भारत ने स्वर्ण पदक जीता।

मुख्य बिंदु

- **पदकों के बारे में:**
  - भारतीय पुरुष रेगु टीम ने **बिहार सेपक टकरा विश्व कप 2025** के फाइनल में **जापान** को हराकर यह स्वर्ण पदक जीता।
  - यह पहली बार है जब भारत ने सेपक टकरा विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता है।
  - भारतीय दल ने **कुल सात पदक** जीते।
    - **स्वर्ण पदक:** पुरुष टीम ने रेगु श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।
    - **रजत पदक:** महिला युगल टीम ने रजत पदक जीता।
    - **कांस्य पदक:**
      - पुरुष युगल टीम
      - महिला रेगु टीम
      - मिश्रित क्वाड टीम
      - महिला क्वाड टीम
      - पुरुष क्वाड टीम
  - इस विश्व कप में कुल आठ देशों ने पदक जीते। **पदक तालिका** में भारत **चौथे स्थान** पर रहा, जबकि **थाईलैंड** चार पदकों के साथ **शीर्ष स्थान** पर रहा।
- **सेपक टकरा विश्व कप 2025**
  - यह प्रतियोगिता **20 से 25 मार्च 2025** तक **पटना** के **कंकड़बाग स्थित** पाटलिपुत्र **इंडोर स्टेडियम** में आयोजित हुई।
  - **सेपक टकरा विश्व कप 2025** का आयोजन **अंतर्राष्ट्रीय सेपक टकरा महासंघ** (ISTAF) द्वारा किया गया, जबकि इसकी **मेज़बानी भारतीय सेपक टकरा महासंघ** ने की।
  - इस विश्व कप में विश्व के **20 देशों** ने भाग लिया जिसमें **300 से अधिक खिलाड़ी और प्रशिक्षक** शामिल थे।
  - यह ISTAF विश्व कप का **पाँचवाँ संस्करण** था।

सेपक टकरा

- **सेपक टकरा** एक **पारंपरिक मलेशियाई खेल** है, जो **दक्षिण पूर्व एशियाई देशों** में अत्यंत लोकप्रिय है।
- यह खेल **फुटबॉल और वॉलीबॉल** का संयोजन है और भारत में इसे **किक वॉलीबॉल** के नाम से भी जाना जाता है।
- भारत में **1980 के दशक** में इसे **नागपुर, महाराष्ट्र** में पहली बार प्रस्तुत किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सेपक टकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया

- **सेपक टकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया** का गठन 1982 में **दिल्ली एशियाई खेलों** की पूर्व संध्या पर हुआ था।
- यह फेडरेशन भारत में **सेपक टकरा** खेल के संचालन की प्रमुख संस्था है।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली

इंटरनेशनल सेपक टकरा फेडरेशन (ISTAF)

- **इंटरनेशनल सेपक टकरा फेडरेशन** (ISTAF) की स्थापना 1982 में हुई थी।
- यह **सेपक टकरा** खेल की **विश्वस्तरीय शासी संस्था** है।
- **मुख्यालय:** बैंकॉक, थाईलैंड

जेवियर विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

29 मार्च, 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री ने पटना में 36 एकड़ में स्थित जेवियर विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **पटना के बारे में:**
  - **परिचय**
    - यह बिहार की **राजधानी** और सबसे बड़ा शहर है।
    - यह प्राचीन शहर गंगा के दक्षिणी छोर पर स्थित है।
    - पटना **प्रशासनिक**, **शैक्षणिक**, **पर्यटन**, ऐतिहासिक धरोहर, **धर्म**, **अध्यात्म** और **संस्कृति** का केंद्र रहा है।
  - **जनसांख्यिकी (2011 जनगणना):**
    - **कुल जनसंख्या:** 58,38,465 (पुरुष – 30,78,512, स्त्री – 27,59,953)
    - **जनसंख्या वृद्धि दर** (2001–2011): 23.73%
    - **घनत्व:** 1,800 किमी2
    - साक्षरता दर: 70.68% (पुरुष – 78.48%, स्त्री – 61.96%) आधिकारिक भाषा: **हिंदी**।
    - अन्य बोली जाने वाली भाषाएँ: **अंग्रेज़ी**, **उर्दू**, **बंगला**, **उड़िया**।
    - स्थानीय बोली: **मगही**, **भोजपुरी**, **मैथिली**।
  - **इतिहास:**
    - पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र या पाटलीपट्टन था, जो 600 ईसा पूर्व इतिहास में पाया गया।
    - चंद्रगुप्त मौर्य ने 4वीं ईसा में यहाँ अपनी राजधानी बनाई।
    - **अजातशत्रु** ने पाटलिपुत्र की नींव रखी, जो बाद में **पटना** के रूप में विकसित हुआ।
    - **ग्रीक इतिहास** में इसे **पाटलीबोथरा** कहा गया।
    - सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य और समुद्रगुप्त जैसे महान शासकों ने इस नगर से शासन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- प्रसिद्ध यात्री **फाहियान** (3वीं ईसा) और **व्हेनसान** (7वीं ईसा) ने इस नगर का दौरा किया और इसके शासन और समाज पर विस्तार से लिखा।
- कौटिल्य जैसे विद्वान भी यहाँ रहे और **अर्थशास्त्र** जैसी महत्त्वपूर्ण रचना की।
- 1703 ई. में शहजादा **अजिमुशान को पटना का गवर्नर** बनाया गया और उसने इसे आधुनिक रूप दिया तथा इसका नाम **अजीमाबाद** रखा, लेकिन जनसाधारण में यह पटना नाम से ही प्रचलित रहा।

- **प्रमुख दर्शनीय स्थल:**
  - बिहार संग्रहालय
  - पटना तारामंडल
  - जापानी शांति पैगोडा
  - संजय गांधी वनस्पति उद्यान
  - लौरिया नंदनगढ़
  - गोलघर
  - कुम्हरार
  - अजंता गांधी संग्रहालय
  - जालान संग्रहालय

बिहार में विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 30 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर बिहार के पटना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की 800 करोड़ रूपए से अधिक की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

- **योजनाओं के बारे में:**
  - **अन्न भंडारण योजना:**
    - विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत पच्चीस PACS (प्राथमिक कृषि ऋण समितियों) में 62,500 मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता विकसित करने की परियोजना का शिलान्यास किया गया। जिस पर 83.16 करोड़ रुपए की लागत आएगी।
  - **पुलिस भवन निर्माण:**
    - गृह विभाग के तहत कुल 133 पुलिस भवनों के निर्माण का शिलान्यास किया गया। जिस पर 181.14 करोड़ रुपए की लागत निर्धारित की गई है।
  - **सड़क परिवहन और राजमार्ग परियोजनाएँ:**
    - सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिनकी कुल लागत 109.16 करोड़ रुपए है।
  - **दीप नारायण सिंह सहकारी संस्थान में छात्रावास:**
    - पटना में निर्मित एक छात्रावास का उद्घाटन किया गया, जिस पर 27.29 करोड़ रुपए की लागत आई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मखाना प्रोसेसिंग और विपणन केंद्र**
  - समेकित सहकारी विकास परियोजना के तहत 46 लाख रुपए की लागत से **दरभंगा ज़िले मखाना प्रोसेसिंग और विपणन केंद्र** का उद्घाटन किया गया।
- **पेयजल आपूर्ति योजनाएँ:**
  - नगर आवास और विकास विभाग की अमृत-1 परियोजना के अंतर्गत कुल 421.41 करोड़ रुपए की लागत से पाँच पेयजल आपूर्ति योजनाओं का लोकार्पण किया गया।

अमृत योजना क्या है ?

- **परिचय:**
  - **कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation- AMRUT)** 25 जून, 2015 को देश भर के 500 चयनित शहरों में शुरू किया गया था, जिसमें **लगभग 60% शहरी आबादी को कवर** किया गया।
  - **मिशन का लक्ष्य** बुनियादी ढाँचे **को बढ़ाना** और चयनित शहरों क्षेत्र में सुधारों को लागू करना है, जिसमें जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, हरित स्थान, गैर-मोटर चालित परिवहन तथा क्षमता निर्माण शामिल हैं।
- **अमृत 2.0 योजना:**
  - यह योजना 1 अक्तूबर, 2021 को शुरू की गई थी, जिसमें 5 वर्ष की अवधि यानी वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के लिये **अमृत 1.0** को शामिल किया गया है।
  - इसमें **देश के 500 शहरों से लगभग 4,900 वैधानिक कस्बों तक जलापूर्ति** की सार्वभौमिक कवरेज और अमृत योजना के **पहले चरण में शामिल 500 शहरों में सीवरेज/सेप्टेज** प्रबंधन की कवरेज शामिल है।
  - **अमृत 2.0** का उद्देश्य उपचारित सीवेज के पुनर्चक्रण/पुन: उपयोग, जल निकायों के पुनरुद्धार और जल संरक्षण द्वारा **शहर जल संतुलन योजना (City Water Balance Plan- CWBP)** के विकास के माध्यम से जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।
  - मिशन में **शहरी नियोजन, शहरी वित्त को मज़बूत करने आदि के** माध्यम से नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिये सुधार एजेंडा भी शामिल है।

कोसी मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार की **कोसी मेची अंत:राज्यीय लिंक परियोजना** को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (PMKSY-AIBP) के अंतर्गत शामिल करने को मंजूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के बारे में:**
  - इस परियोजना के तहत कोसी नदी के अतिरिक्त जल को बिहार में महानंदा नदी बेसिन तक प्रवाहित किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस परियोजना के तहत **पूर्वी कोसी मुख्य नहर (EKMC)** का पुनर्निर्माण किया जाएगा, और इसे **मेची नदी** तक विस्तारित किया जाएगा।
- पूर्वी कोसी मुख्य नहर **भारत और नेपाल की संयुक्त कोसी परियोजना (1954) का एक हिस्सा है**, जिसे कोसी नदी द्वारा बार-बार अपना मार्ग बदलने की समस्या के समाधान के लिये बनाया गया था।

- **उद्देश्य:**
  - इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बिहार में सिंचाई की क्षमता को बढ़ाना है।
  - विशेष रूप से, यह योजना बिहार के अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार ज़िलों में **खरीफ मौसम** के दौरान 2,10,516 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधाएँ प्रदान करेगी।
- **केंद्रीय सहायता की मंज़ूरी:**
  - इस परियोजना के लिये 6,282.32 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत निर्धारित की गई है, जिसमें से बिहार को 3,652.56 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता मंज़ूर की गई है।
  - यह राशि परियोजना के विकास और इसके विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन में सहायता करेगी।
- **समयसीमा:**
  - इस परियोजना को मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
  - इस परियोजना के पूरा होने पर बिहार में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और बाढ़ नियंत्रण में भी मदद मिलेगी

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

- यह वर्ष 2015 में शुरू की गई एक **केंद्र प्रायोजित योजना** (कोर योजना) है। केंद्र-राज्य की हिस्सेदारी 75:25 प्रतिशत में होगी। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पहाड़ी राज्यों के मामले में यह अनुपात 90:10 रहेगा।
  - इससे ढाई लाख **अनुसूचित जाति** और दो लाख **अनुसूचित जनजाति** के किसानों सहित लगभग 22 लाख किसानों को लाभ होगा।
- जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2020 में PMKSY के तहत परियोजनाओं के घटकों की **जियो-टैगिंग** हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया।
- इसके तीन मुख्य घटक हैं- त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP), हर खेत को पानी (HKKP) और वाटरशेड डेवलपमेंट।
  - वर्ष 1996 में AIBP को राज्यों की संसाधन क्षमताओं से अधिक सिंचाई परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेज़ी लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- उद्देश्य:
  - क्षेत्रीय स्तर पर सिंचाई में निवेश का अभिसरण,
  - सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करना (हर खेत को पानी),
  - पानी की बर्बादी को कम करने के लिये ऑन-फार्म जल उपयोग दक्षता में सुधार,
  - 'जलभृत' (Aquifers) के पुनर्भरण को बढ़ाने के लिये और पेरी-अर्बन कृषि के लिये उपचारित नगरपालिका आधारित पानी के पुन: उपयोग की व्यवहार्यता की खोज करके स्थायी जल संरक्षण प्रथाओं को शुरू करना और एक **परिशुद्ध सिंचाई प्रणाली** में अधिक-से-अधिक निजी निवेश को आकर्षित करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कोसी और मेची नदियाँ

- **कोसी नदी:** इसे '**बिहार का शोक**' कहा जाता है। इसका उद्गम हिमालय में समुद्र तल से 7,000 मीटर ऊपर **माउंट एवरेस्ट और कंचनजंगा** के जलग्रहण क्षेत्र से होता है।
    - चीन, नेपाल और भारत से होकर बहती हुई यह नदी हनुमान नगर के पास भारत में प्रवेश करती है तथा बिहार के कटिहार ज़िले में कुरसेला के पास **गंगा नदी** में मिल जाती है।
    - कोसी नदी तीन मुख्य धाराओं **सन कोसी, अरुण कोसी** और **तमूर कोसी** के संगम से बनती है।
        - कोसी नदी **अपने मार्ग को बदलने और पश्चिम की ओर बहने की प्रवृत्ति** के लिये प्रसिद्ध है, जो पिछले 200 वर्षों में दरभंगा, सहरसा और पूर्णिया ज़िलों में कृषि क्षेत्र को नष्ट करते हुए 112 किलोमीटर तक चली गई है।
    - **सहायक नदियाँ:** नदी की कई महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ हैं, जिनमें **त्रिजंगा, भुतही बलान, कमला बलान और बागमती** शामिल हैं, जो सभी मैदानी इलाकों से होकर कोसी नदी में मिलती हैं।

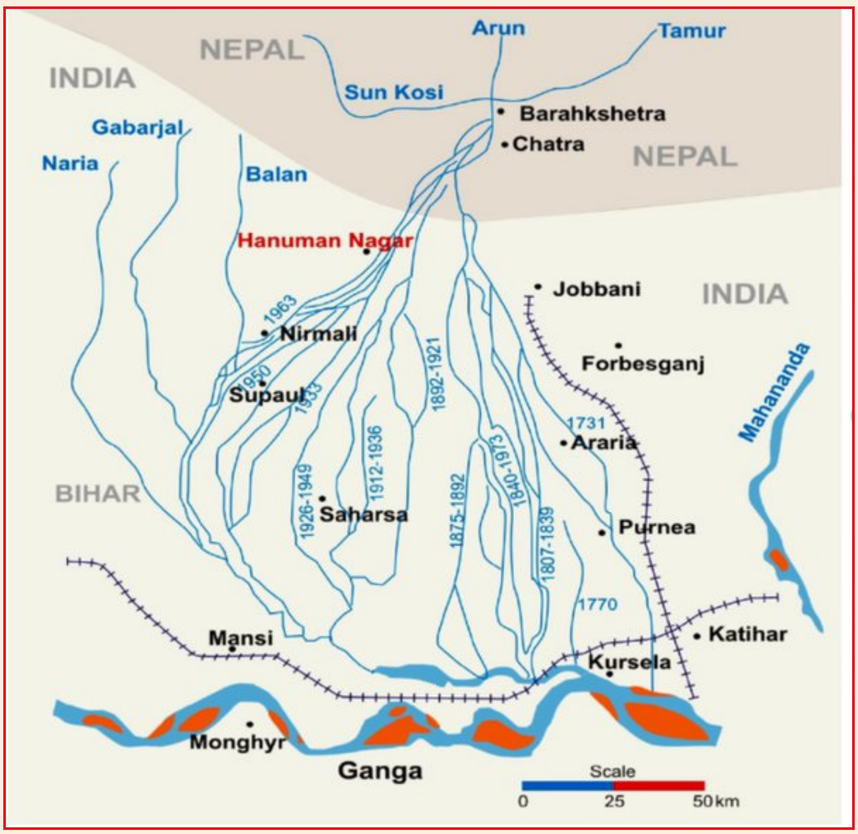

- **मेची नदी:** यह **नेपाल और भारत से होकर बहने वाली** एक **अंतर-सीमा** नदी है। यह **महानंदा** नदी की एक **सहायक नदी** है।
    - मेची नदी एक **बारहमासी नदी** है, जो **नेपाल में महाभारत पर्वतमाला में हिमालय की अंतरीय घाटी स**े निकलती है और फिर बिहार से होकर किशनगंज ज़िले में महानंदा में मिलती है

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

बोधगया मंदिर

चर्चा में क्यों?

बिहार में बोधगया मंदिर अधिनियम (BTA), 1949 को निरस्त करने की मांग को लेकर कई बौद्ध भिक्षु महाबोधि महाविहार (बोधगया मंदिर) में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - यह विरोध **अखिल भारतीय बौद्ध मंच (AIBF)** की अगुवाई में विभिन्न बौद्ध समूहों द्वारा किया जा रहा है।
  - उनका विरोध इस एक्ट के तहत **बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (BTMC)** में हिंदू धर्मावलंबियों को भी सदस्य बनाए जाने के प्रावधान से है।
  - बौद्ध भिक्षुओं का कहना है कि मंदिर का प्रबंधन पूरी तरह से बौद्ध समुदाय के हाथों में होना चाहिये।
  - **बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (BTMC)**
    - बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 के तहत 1953 में बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर के प्रबंधन के लिये BTMC की स्थापना की गई।
    - इस समिति में बौद्ध समुदाय के चार और हिंदू समुदाय के चार सदस्य हैं।
    - अधिनियम के अनुसार, गया के **ज़िला मजिस्ट्रेट (DM) समिति के पदेन अध्यक्ष हैं**।
- **बोधगया मंदिर**
  - बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर बौद्ध धर्म का एक पवित्र स्थल है।
  - यह भगवान बुद्ध के जीवन और विशेष रूप से ज्ञान प्राप्ति से संबंधित है।
  - महाबोधि मंदिर का निर्माण सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाने के बाद 260 ईसा पूर्व में कराया था।
  - यह पूरी तरह से ईंटों से निर्मित सबसे शुरुआती बौद्ध मंदिरों में से एक है।
  - इसे वर्ष 2002 से यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था।
  - चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग ने इस मंदिर का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है।
  - वर्तमान मंदिर संरचना का निर्माण गुप्त शासकों द्वारा 5वीं या 6वीं शताब्दी ईस्वी में कराया गया था।

बिहार में खेलो इंडिया गेम्स

चर्चा में क्यों?

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) का सातवाँ संस्करण 4 मई से 15 मई, 2025 तक बिहार के **पाँच शहरों- पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय** में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **गेम्स के बारे में**
  - KIYG भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिये एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- प्रधानमंत्री ने वर्ष 2018 में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के पहले संस्करण की शुरुआत की।
- वर्ष 2019 में इनका नाम बदलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गया।
- ये भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल का हिस्सा हैं।
- इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है।
- ये गेम्स दो श्रेणियों में आयोजित किये जाते हैं:
  - 17 वर्ष से कम उम्र के स्कूली छात्र
  - 21 वर्ष से कम उम्र के कॉलेज के छात्र।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स का छठा संस्करण 19 से 31 जनवरी, 2024 तक तमिलनाडु के चार शहरों: चेन्नई, त्रिची, मदुरै और कोयंबटूर में आयोजित किया गया।

- **खेलो इंडिया ऐप**
  - वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री ने खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिये **खेलो इंडिया ऐप लॉन्च किया** था।
  - यह ऐप लोगों को खेल आयोजनों के बारे में अपडेट रहने में मदद करता है और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

प्राकृतिक घटना के रूप में आकाशीय बिजली

चर्चा में क्यों ?

बिहार में खराब मौसम के कारण आकाशीय बिजली गिरने और तूफान से संबंधित घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई।

मुख्य बिंदु

- **आकाशीय बिजली के बारे में:**
  - **आकाशीय बिजली (Lightning)** एक शक्तिशाली और दृश्यमान **विद्युत-प्राकृतिक घटना** है, जो तब घटित होती है जब बादलों के भीतर या बादलों और पृथ्वी के बीच **विद्युत आवेशों का संचय** हो जाता है।
    - इस विद्युत ऊर्जा के निर्वहन के परिणामस्वरूप **प्रकाश की एक चमकदार चमक उत्पन्न होती है और हवा का तेज़ी से विस्तार होता है,** जिससे बिजली के साथ होने वाली विशिष्ट गड़गड़ाहट उत्पन्न होती है।
    - **क्लाउड-टू-ग्राउंड (CG) लाइटनिंग** सबसे खतरनाक मानी जाती है, क्योंकि यह अत्यधिक वोल्टेज और करंट के कारण **मानव जीवन के लिये घातक** हो सकती है।
- **पृथ्वी की सतह पर गिरना:**
  - पृथ्वी **अच्छी विद्युत चालक (Good Conductor)** है। यद्यपि यह **वैद्युतिक रूप से उदासीन** होती है, फिर भी यह बादल की मध्य परत की तुलना में अपेक्षाकृत **धनात्मक रूप से आवेशित** होती है।
  - इस अंतर के कारण, कुल विद्युत प्रवाह का लगभग 20-25% पृथ्वी की ओर प्रवाहित होता है, जिससे **जीवन और संपत्ति** को नुकसान पहुँचता है।
  - आकाशीय बिजली आमतौर पर ज़मीन पर स्थित **उत्थित वस्तुओं** (जैसे पेड़, इमारतें आदि) पर गिरती है, जिससे वहाँ **जान-माल का बड़ा खतरा** उत्पन्न हो जाता है।
    - **लाइटनिंग कंडक्टर** एक ऐसा उपकरण है, जिसका उपयोग इमारतों को बिजली के प्रभाव से बचाने के लिये किया जाता है। इमारत के निर्माण के दौरान इमारत की दीवारों में इमारत से ऊँची एक धातु की छड़ लगाई जाती है।
  - **पृथ्वी पर सबसे अधिक बिजली गिरने की गतिविधि वेनेज़ुएला के माराकाइबो झील** के तट पर देखी जाती है ।
    - जिस स्थान पर कैटाटुम्बो नदी मैराकाइबो झील में गिरती है, वहाँ **प्रतिवर्ष औसतन 260 दिन तूफान आते हैं, तथा अक्तूबर में हर मिनट 28 बार बिजली चमकती है - इस घटना को मैराकाइबो का प्रकाश स्तंभ या अनन्त तूफान** कहा जाता है ।
  - भारत **विश्व के उन पाँच देशों में शामिल है जहाँ बिजली गिरने की पूर्व चेतावनी प्रणाली** मौजूद है ।
  - **यह प्रणाली बिजली गिरने से पाँच दिन** पहले से लेकर तीन घंटे पहले तक का पूर्वानुमान उपलब्ध कराती है ।
- **भारत में भौगोलिक वितरण:**
  - पूर्वोत्तर राज्यों तथा पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, ओडिशा और बिहार में बिजली गिरने की आवृत्ति सबसे अधिक है।
    - **हालाँकि, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा** जैसे मध्य भारतीय राज्यों में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या अधिक है ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- बिहार **बिजली गिरने के मामले में सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक है**, जहाँ हर साल बड़ी संख्या में मौतें होती हैं।
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) **की रिपोर्ट** के अनुसार, वर्ष **2023 में बिहार में बिजली या वज्रपात से संबंधित 275 मौतें हुईं।**

महावीर जयंती

चर्चा में क्यों ?

10 अप्रैल, 2025 को बिहार में जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी का 2625वाँ जन्म महोत्सव मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **महावीर जयंती के बारे में:**
  - **महावीर जयंती**, **जैन समुदाय** में सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है।
  - यह दिन वर्धमान **महावीर के जन्म का प्रतीक** है, जो **24वें या अंतिम तीर्थंकर** तथा **23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ** के उत्तराधिकारी बने।
  - जैन ग्रंथों के अनुसार, भगवान **महावीर का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन** हुआ था।
    - ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, महावीर जयंती आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है।
  - भगवान महावीर की मूर्ति के साथ एक जुलूस निकाला जाता है जिसे **रथ यात्रा** कहा जाता है।
  - स्तवन अथवा जैन प्रार्थनाओं का पाठ करते हुए, भगवान की मूर्तियों का औपचारिक स्नान कराया जाता है जिसे **अभिषेक** कहा जाता है।
- **भगवान महावीर:**
  - भगवान महावीर स्वामी ने अपनी गहन **आध्यात्मिक प्रथाओं और शिक्षाओं** के माध्यम से मानवता पर एक अमिट छाप छोड़ी।
  - बचपन में भगवान महावीर का नाम **वर्धमान** था यानी 'जो बढ़ता है'।
  - अपनी **बारह वर्ष की आध्यात्मिक साधना** के दौरान भगवान महावीर ने **चार असाधारण गुणों का प्रदर्शन** किया:
    - **गहन और अबाधित ध्यान:** उनके अटूट ध्यान ने उन्हें गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद की।
    - **कठोर तपस्या:** अपनी आत्मा को शुद्ध करने के लिये उन्होंने अत्यधिक शारीरिक कष्ट सहे।
    - **दर्द की सहनशक्ति:** महावीर स्वामी ने अद्भुत सहनशक्ति का प्रदर्शन किया।
    - **सर्वश्रेष्ठ संतुलन:** उनका आंतरिक संतुलन स्थिर रहा।
  - **वैशाख** के दसवें दिन, महावीर की यात्रा एक निर्णायक क्षण पर पहुँची।
  - **इन 5 शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य (ब्रह्मचर्य/शुद्धता) को महावीर द्वारा जोड़ा गया था।**

गंगा किनारे अवैध निर्माण

चर्चा में क्यों ?

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में केंद्र और बिहार सरकार को गंगा नदी के किनारे किये गए अवैध निर्माणों को हटाने के लिये उठाए गए कदमों पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - यह आदेश एक याचिकाकर्त्ता द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के 30 जून, 2020 के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।
  - याचिकाकर्त्ता ने बताया कि गंगा नदी के किनारे बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण हो रहे हैं। यह अतिक्रमण विभिन्न प्रकार के निर्माणों, जैसे आवासीय बस्तियाँ, ईंट भट्टे और धार्मिक संरचनाओं के रूप में हो रहे हैं।
  - इससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र **पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।**
  - गंगा नदी के किनारों के कुछ हिस्से ताजे पानी की डॉल्फिनों से समृद्ध हैं और इनके आवासों पर अवैध निर्माणों का प्रभाव नदी की जैवविविधता को नुकसान पहुँचा सकता है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण

- **राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT)** की स्थापना 18 अक्तूबर, 2010 को **राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम (National Green Tribunal Act), 2010** के तहत की गई थी।
- NGT की स्थापना के साथ भारत एक **विशेष पर्यावरण न्यायाधिकरण (Specialised Environmental Tribunal)** स्थापित करने वाला दुनिया का तीसरा (और पहला विकासशील) देश बन गया। इससे पहले केवल ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में ही ऐसे किसी निकाय की स्थापना की गई थी।
- NGT की स्थापना का **मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संबंधी मुद्दों का तेज़ी से निपटारा करना है**, जिससे देश की अदालतों में लगे मुकदमों के बोझ को कुछ कम किया जा सके।
- **NGT का मुख्यालय दिल्ली में है,** जबकि अन्य चार क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में स्थित हैं।
- राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम के अनुसार, NGT के लिये यह अनिवार्य है कि उसके पास आने वाले पर्यावरण संबंधी मुद्दों का **निपटारा 6 महीनों के भीतर** हो जाए।

गंगा नदी

- यह उत्तराखंड में गौमुख (3,900 मीटर) के पास गंगोत्री ग्लेशियर से निकलती है जहाँ इसे भागीरथी के नाम से जाना जाता है।
- देवप्रयाग में भागीरथी अलकनंदा से मिलती है; इसके बाद इसे गंगा के रूप में जाना जाता है।
- गंगा उत्तरी मैदानों में **हरिद्वार** में प्रवेश करती है।
- गंगा **उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल** से होकर बहती है।
- **यमुना और सोन** दाहिने किनारे की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं और बाएँ किनारे की महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ **रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी और महानंदा** हैं।
- यमुना गंगा की सबसे पश्चिमी और सबसे लंबी सहायक नदी है और इसका स्रोत यमुनोत्री ग्लेशियर है।
- गंगा सागर द्वीप के पास बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

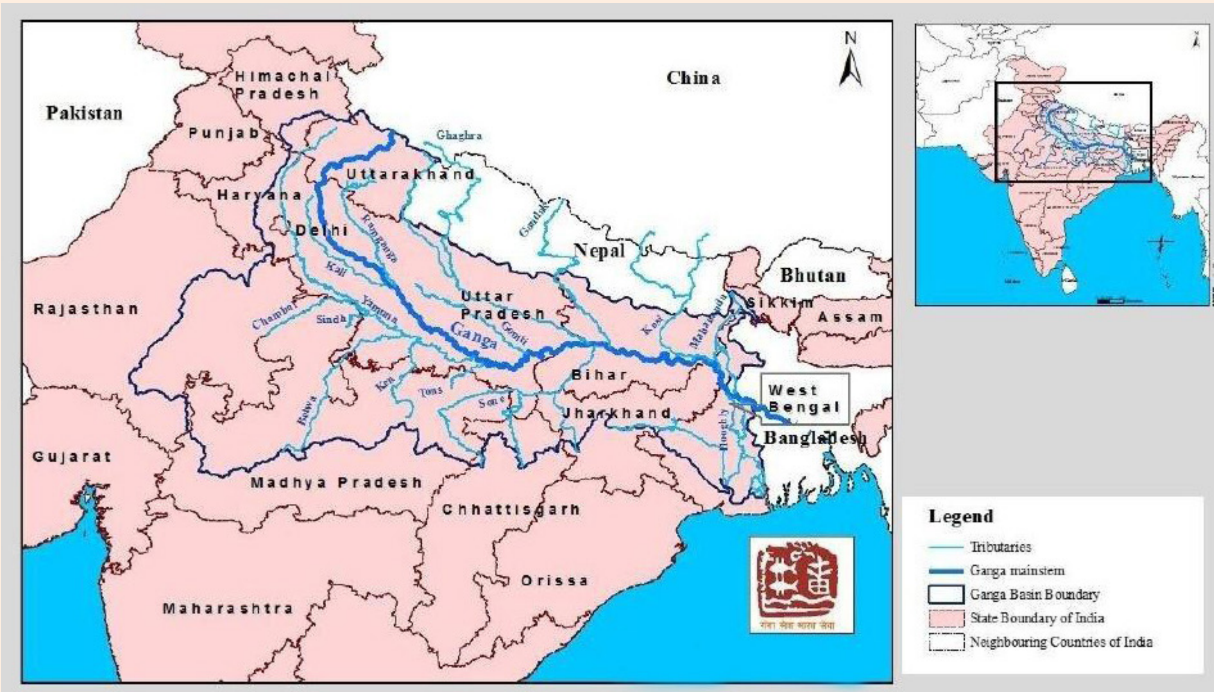

वंदे मेट्रो

चर्चा में क्यों ?

24 अप्रैल को प्रधानमंत्री बिहार की पहली नमो भारत रैपिड रेल सेवा (जिसे **वंदे मेट्रो** भी कहा जाता है) का उद्घाटन करेंगे, जो भारत में इस तरह की दूसरी सेवा होगी।

- इस उद्घाटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री **अमृत भारत ट्रेन (सहरसा से मुंबई)** और **दो अन्य पैसेंजर ट्रेनों** का भी शुभारंभ करेंगे।

मुख्य बिंदु

- **वंदे मेट्रो के बारे में:**
  - यह ट्रेन **जयनगर से समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा, बख्तियारपुर** होते हुए **पटना** तक चलेगी।
    - पहली नमो भारत रैपिड रेल सितंबर 2024 में अहमदाबाद और भुज के बीच शुरू की की गई थी।
  - यह ट्रेन **बिहार के उत्तर-मध्य क्षेत्र** को **पटना से से जोड़ेगी**।
  - ट्रेन 'कवच' सुरक्षा प्रणाली से सुसज्जित है। इसमें दोनों छोर पर इंजन लगे हैं, जिससे टर्नअराउंड समय कम होता है।
  - ओपन लाइन रेलवे में पहली बार, ट्रेन में एक रूट मैप इंडिकेटर शामिल है जो प्रत्येक स्टेशन के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
- **विशेषताएँ**
  - यह भारतीय रेलवे की **आधुनिक, स्वदेशी और सेमी हाईस्पीड ट्रेन** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसे **कम दूरी (100-350 किमी)** वाले **इंटरसिटी और उपनगरीय रूट** के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इस ट्रेन को **"नमो भारत रैपिड रेल"** के नाम से भी जाना जाता है।
- इसकी **अधिकतम गति 130 किमी/घंटा** होती है।

वीर कुंवर सिंह विजय दिवस

चर्चा में क्यों ?

बाबू वीर कुँवर सिंह के **विजय दिवस** पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत **बिहार के** राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **कुंवर सिंह के बारे में:**

- वीर कुँवर सिंह का जन्म वर्ष **1777 में जगदीशपुर (वर्तमान भोजपुर ज़िला, बिहार)** में हुआ था। वह जगदीशपुर के परमार **राजपूतों** के उज्जैनिया कबीले के परिवार से थे।
- वह बिहार में अंग्रेज़ो के खिलाफ लड़ाई के मुख्य महानायक थे। उन्होंने बिहार में वर्ष 1857 के भारतीय विद्रोह का नेतृत्व किया। वह तब लगभग 80 वर्ष के थे जब उन्हें हथियार उठाने के लिये बुलाया गया और उनका स्वास्थ्य भी खराब था।
- उनके भाई, बाबू अमर सिंह और उनके सेनापति, हरे कृष्ण सिंह दोनों ने उनकी सहायता की थी। कुछ लोगों का मानना है कि कुंवर सिंह की प्रारंभिक सैन्य सफलता के पीछे का असली कारण यही था।
- उन्होंने बेहतरीन युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया और लगभग एक साल तक ब्रिटिश सेना को परेशान किया तथा अंत तक अजेय रहे। वह गुरिल्ला युद्ध कला के विशेषज्ञ थे।
- 26 अप्रैल, 1858 को उनका निधन हो गया।
- भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान के लिये **23 अप्रैल 1966 को** भारत गणराज्य द्वारा उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।
  - वर्ष 1992 में बिहार सरकार द्वारा **वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय**, आरा की स्थापना की गई।
  - वर्ष 2017 में वीर कुंवर सिंह सेतु, जिसे आरा-छपरा ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, का उद्घाटन उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने के लिये किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वर्ष 2018 में कुंवर सिंह की मृत्यु की 160वीं वर्षगाँठ मनाने के लिये बिहार सरकार ने उनकी एक प्रतिमा को हार्डिंग पार्क में स्थानांतरित कर दिया था। पार्क को आधिकारिक तौर पर 'वीर कुंवर सिंह आज़ादी पार्क' का नाम भी दिया गया था।

1857 का विद्रोह

- यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति थी।
- यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के सिपाहियों के विद्रोह के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जनता की भागीदारी भी इसने हासिल कर ली।
- विद्रोह को कई नामों से जाना जाता है: सिपाही विद्रोह (ब्रिटिश इतिहासकारों द्वारा), भारतीय विद्रोह, महान विद्रोह (भारतीय इतिहासकारों द्वारा), 1857 का विद्रोह, भारतीय विद्रोह और स्वतंत्रता का पहला युद्ध (विनायक दामोदर सावरकर द्वारा)।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने **बिहार के** मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस (24 अप्रैल 2025) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **मोतीपुर पंचायत**
  - **बिहार की मोतीपुर पंचायत** को **राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025** से सम्मानित किया गया है। **मुखिया प्रेमा देवी** को यह पुरस्कार प्रधानमंत्री द्वारा प्रदान किया।
    - इस पुरस्कार के तहत पंचायत को **50 लाख रुपए** की राशि भी प्रदान की गई।
  - मोतीपुर पंचायत को '**क्लाइमेट एक्शन विशेष पंचायत पुरस्कार**' के लिये बिहार से **अकेले चुना गया** है।
  - इस श्रेणी में **देशभर से केवल तीन पंचायतों** का चयन हुआ है।
  - यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और **जलवायु अनुकूल योजनाओं** में उत्कृष्ट योगदान के लिये प्रदान किया जाता है।
- **राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के बारे में:**
  - यह उन शीर्ष प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के प्रोत्साहन हेतु है जो सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (LSDG) के 9 विषयों के अनुरूप हैं, जिसमें सभी 17 SDG शामिल हैं।
  - इसके लिये केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने उन्हें प्रोत्साहित करने के लिये **राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार** की विशेष श्रेणियाँ स्थापित की हैं।
  - **जलवायु कार्रवाई विशेष पंचायत पुरस्कार**: यह नेट-ज़ीरो उत्सर्जन और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर संक्रमण करने वाले ग्राम पंचायतों को प्रदान किया जाता है।
  - **आत्म निर्भर पंचायत विशेष पुरस्कार:** यह पंचायतों द्वारा स्वयं के स्रोत राजस्व (OSR) में वृद्धि के माध्यम से आत्मनिर्भरता बढ़ाने वाली शीर्ष 3 ग्राम पंचायतों को दिया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार:** यह LSDG कार्यान्वयन में PRI का समर्थन करने वाले 3 संस्थानों को प्रदान किया जाता है
- विजेताओं को **ट्रॉफी** और **प्रमाण-पत्र** दिये जाते हैं, साथ ही उन्हें **नकद पुरस्कार** भी प्रदान किया जाता है।
  - **प्रथम पुरस्कार विजेता** को **1 करोड़ रुपए, द्वितीय स्थान** पर रहने वाले को **75 लाख रुपए** और **तृतीय स्थान** पर रहने वाले को **50 लाख रुपए** मिलते हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

- 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस **73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992** के अधिनियमन का प्रतीक है, जिसके माध्यम से **पंचायती राज संस्थाओं (PRI)** को सांविधिक प्रस्थिति प्रदान की गई।
- इसका पहला आयोजन **वर्ष 2010 में** किया गया था।

पंचायती राज:

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 40** में पंचायतों का उल्लेख किया गया है और **अनुच्छेद 246** में राज्य विधानमंडल को स्थानीय स्वशासन से संबंधित किसी भी विषय पर कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।
- स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना के लिये 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से **पंचायती राज संस्थान** (Panchayati Raj Institution) को संवैधानिक स्थिति प्रदान की गई और उन्हें देश में ग्रामीण विकास का कार्य सौंपा गया।
- पंचायती राज संस्थान भारत में **ग्रामीण स्थानीय स्वशासन** (Rural Local Self-government) की एक प्रणाली है।
  - स्थानीय स्वशासन का अर्थ है स्थानीय लोगों द्वारा निर्वाचित निकायों के माध्यम से स्थानीय मामलों का प्रबंधन।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री पद्म भूषण से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को सार्वजनिक जीवन में उनके असाधारण योगदान के लिये मरणोपरांत **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह सम्मान प्रदान किया।

मुख्य बिंदु

- **सुशील कुमार मोदी का योगदान**
  - **राजकोषीय प्रबंधन और राज्य विकास:** बिहार के **सबसे लंबे समय तक** उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में, उन्होंने बिहार को राजस्व-अधिशेष राज्य में बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
    - उन्हें **प्रभावी राजकोषीय प्रबंधन** और बेहतर प्रशासन के माध्यम से राज्य के विकास में योगदान के लिये जाना जाता था।
  - **भारत में वस्तु एवं सेवा कर (GST) की शुरूआत** में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
    - **राज्य वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति** (2011-2013) के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने GST **लागू करने के लिये राज्यों के बीच आम सहमति** बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो **भारत के कर ढाँचे** में एक ऐतिहासिक सुधार था।
  - **राजनीतिक नेतृत्व:** राजनीति में तीन दशकों से अधिक समय तक उन्होंने संसद के दोनों सदनों और बिहार विधानसभा में सेवा की।
    - उन्होंने कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी **संसदीय समिति के अध्यक्ष** जैसे नेतृत्वकारी भूमिकाएँ भी निभाईं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **लिंग बजट और महिला कल्याण: बिहार के वित्त मंत्री के रूप में कार्य करते हुए, मोदी ने लिंग बजट की** अभिनव अवधारणा पेश की, जिसमें **महिलाओं के** कल्याण और सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा यह सुनिश्चित किया गया कि राज्य की वित्तीय योजना में उनके मुद्दों को शामिल किया जाए।
- **अंग दान की वकालत:** वे अंग दान के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने बिहार में '**दधीचि देह दान समिति**' अभियान की स्थापना की, जिसका उद्देश्य अंग दान के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और लोगों को अपने अंग दान करने के लिये प्रोत्साहित करना था।

पद्म पुरस्कार

- **पृष्ठभूमि:**
  - पद्म पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष **गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)** पर की जाती है।
  - वर्ष 1954 में स्थापित यह भारत के **सर्वोच्च नागरिक सम्मानों** में से एक है।
- **उद्देश्य:**
  - यह उन सभी विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में उपलब्धियों की पहचान करता है, जिनमें सार्वजनिक सेवा का तत्त्व शामिल हो।
- **श्रेणियाँ:**
  - पद्म विभूषण (असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये)
    - पद्म भूषण (उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा)
    - पद्म श्री (प्रतिष्ठित सेवा)
    - ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं:
  - पद्म भूषण और पद्म श्री के बाद पद्म पुरस्कारों के पदानुक्रम में पद्म विभूषण सर्वोच्च है।
- **क्षेत्र:**
  - ये पुरस्कार **कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य तथा शिक्षा, खेल, सिविल सेवा** आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- **पात्रता:**
  - जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना **सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों** के लिये पात्र हैं।
- **चयन प्रक्रिया:**
  - **पद्म पुरस्कार समिति:**
    - ये पुरस्कार 'पद्म पुरस्कार समिति' द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर प्रदान किये जाते हैं, जिसका गठन प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है।
  - **राष्ट्रपति द्वारा प्रदत:**
    - ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा आमतौर पर प्रतिवर्ष मार्च/अप्रैल के महीने में प्रदान किये जाते हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME